20 दिसंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव में चुनावी मेहनत का सार्वजनिक सम्मान

2

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

एक नजर

आजादी सरकार की देन नहीं, संवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पासपोर्ट और नागरिक स्वतंत्रता को लेकर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि आजादी सरकार की मेहरबानी नहीं, बल्कि उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने साफ किया कि पासपोर्ट रिन्यूअल के समय व्यक्ति से भविष्य की यात्रा या वीजा का ब्योरा मांगना जरूरी नहीं। यह फैसला एक आरोपी की याचिका पर सुनाया गया, जिस पर मामला लंबित है। मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और एजी मसीह की बेंच ने कहा कि पासपोर्ट विभाग का काम सिर्फ यह देखना है कि जिस व्यक्ति पर केस चल रहा है, क्या कोर्ट ने उसे निगरानी में यात्रा की अनुमति दी है या नहीं। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत नागरिकों को घूमने, यात्रा करने और रोजगार के मौके तलाशने की आजादी मिलती है।

नवंबर में 200 से ज्यादा दवाओं के नमूने गुणवत्ता में फेल

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि नवंबर महीने की जांच में केंद्रीय दवा प्रयोगशालाओं ने 64 दवा नमूनों को मानक गुणवत्ता का नहीं (एनएसक्यू) पाया है। इसके अलावा, राज्य दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 141 दवा नमूनों को भी एनएसक्यू श्रेणी में रखा है। मंत्रालय के अनुसार, यह जांच नियमित नियामक निगरानी के तहत की जाती है। हर महीने जिन दवाओं की गुणवत्ता मानकों में कमी या जो नकली पाई जाती हैं, उनकी सूची केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की वेबसाइट पर अपलोड की जाती है। स्वास्थ्य मंत्रालय के बयान में कहा गया कि नवंबर 2025 में केंद्रीय दवा प्रयोगशालाओं ने 64 और राज्य प्रयोगशालाओं ने 141 दवा नमूनों को मानकों पर खरा नहीं पाया। एनएसक्यू दवाएं वे होती हैं, जो किसी एक या एक से अधिक गुणवत्ता मानकों पर असफल पाई जाती हैं। हालांकि, यह कमी केवल उस विशेष बैच तक सीमित होती है जिसकी जांच की गई है और इससे बाजार में मौजूद अन्य दवाओं को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है।

एसआईआर : तमिलनाडु-गुजरात में हटाए गए डेढ़ करोड़ से अधिक मतदाता

एजेंसी। चेन्नई

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची में बड़े बदलाव किए हैं। चुनाव आयोग की तरफ से शुक्रवार को जारी की गई ड्राफ्ट सूची के अनुसार तमिलनाडु और गुजरात में मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए गए है। आयोग द्वारा जारी यह सूची राज्यों में हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी की गई है। एक तरफ जहां तमिलनाडु मतदाता सूची से 97.37 लाख नाम हटाए गए है। वहीं दूसरी ओर गुजरात में 73.73 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए है। चुनाव आयोग द्वारा गुजरात में जारी ड्राफ्ट सूची में 5.08 करोड़ मतदाताओं में से केवल 4.34 करोड़ को वैध माना गया है। वहीं तमिलनाडु में 6.41 करोड़ मतदाताओं में से केवल 5.43 करोड़ मतदाताओं को वैध्य माना गया है। तमिलनाडु जिला चुनाव कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया में कई जिलों से लाखों मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इसके तहत कोयंबटूर में करीब 6.50 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची से हटाए गए। वहीं डिंडीगुल जिले में 2.34 लाख वोटर हटे, जिससे कुल मतदाता संख्या 19.35 लाख से घटकर 16.09 लाख रह गई।

चेन्नई में हुई सबसे ज्यादा कटौती

बता दें कि चुनाव आयोग के द्वारा जारी ड्राफ्ट सूची का सबसे ज्यादा असर राजधानी चेन्नई में देखने को मिला। यहां यहां 14.25 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची से हटाए गए। इसके बाद कुल मतदाता संख्या 40.04 लाख से घटकर 25.79 लाख रह गई। करूर जिले में 79,690 मतदाताओं के नाम हटाए गए। यहां मतदाता संख्या 8.79 लाख से घटकर 8.18 लाख हो गई। साथ ही कांचीपुरम जिले में 2.74 लाख वोटरों के नाम काटे गए।चुनाव आयोग द्वारा जारी ड्राफ्ट सूची से लाखों मतदाताओं का नाम क्यों हटाया गया। इस बात को चुनाव आयोग की तरफ से दिए गए बयान के आधार पर ऐसे समझा जा सकता है कि सूची में शामिल 1.56 लाख लोगों की मौत हो गई, 27,323 मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, 12.22 लाख वोटर दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो चुके थे और 18,772 मामलों में दोहरी वोटिंग पाई गई। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बताया कि यह ड्राफ्ट मतदाता सूची राज्यभर में कराए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद तैयार की गई है। आगे आपत्तियां और दावे दर्ज करने के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

नागपुर में बड़ा हादसा : पानी की टंकी ढहने से छह मजदूरों की मौत

एजेंसी। नागपुर

नागपुर के औद्योगिक क्षेत्र से शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई। शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक फैक्ट्री परिसर में पानी की बड़ी टंकी अचानक ढह गई, जिससे छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि टंकी निर्माण में किसी तरह की तकनीकी खामी या लापरवाही तो नहीं हुई थी। इस हादसे में अभी तक 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं।एमआईडीसी बुटीबोरी इलाके में स्थित अवादा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड नामक सोलर पैनल निर्माण फैक्ट्री में हुआ। फैक्ट्री परिसर में जमीन पर बनी एक विशाल पानी की टंकी अचानक भरभराकर गिर गई। टंकी के मलबे में कई मजदूर दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया गया।

दिल्ली सरकार प्रदूषण पर लगाम लगाने के विभिन्न उपाय कर रही है

दिल्ली में प्रदूषण एक्यूआई 570 पर पहुंचा

- महाकाय प्रदूषण के सामने नियंत्रण के हर उपाय बौने साबित

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद गंभीर स्थिति में बना हुआ है। गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि को दिल्ली का औसत एक्यूआई 570 अंक रहा। दिन होने के बाद इसमें कुछ गिरावट आई और यह 370 के आसपास रहा, लेकिन प्रदूषण का यह स्तर भी बहुत खराब श्रेणी में आता है। प्रदूषण की इस गंभीर स्थिति के बाद भी इसे रोकने का कोई स्थायी उपाय दिखाई नहीं दे रहा है। दिल्ली सरकार प्रदूषण पर लगाम लगाने के विभिन्न उपाय कर रही है, लेकिन महाकाय प्रदूषण के सामने इस पर नियंत्रण के हर उपाय बौने साबित हो रहे हैं। ठंड का मौसम प्रदूषण की दृष्टि से बेहद गंभीर हो जाता है, लेकिन वर्षा के सीजन के कुछ दिनों को छोड़ दें तो पूरे साल भर दिल्ली-एनसीआर के इलाके में प्रदूषण की स्थिति लगातार बनी रहती है। गर्मी के मौसम में जब हवा का बहाव सबसे तेज होता है, उस समय भी विभिन्न कारणों से दिल्ली-एनसीआर को प्रदूषण से राहत नहीं मिलती। इसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि अब प्रदूषण से निपटने के उपाय स्थायी तौर पर पूरे साल भर और लगातार चलना चाहिए। प्रदूषण से केवल तभी कारगर तरीके से निपटा जा सकता है। दिल्ली के गंभीर प्रदूषण के बीच चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया है कि उनके देश ने किस तरह अपने औद्योगिक शहरों में प्रदूषण से निजात पाई है। चीन ने इसके लिए लगातार प्रयास किए और लगभग दस वर्षों के बाद अब इन शहरों का एक्यूआई सौ अंक से भी नीचे रहता है। इसे लेकर एक बहस शुरू हो गई है कि क्या भारत चीन की तरह के प्रयास लागू कर सकता है।

चीन के उपाय भारत में लागू करना पूरी तरह संभव नहीं

चीन के कुछ उपाय तो लागू करने से दिल्ली को भी प्रदूषण से राहत मिलने में सहायता मिल सकती है। जैसे वाहनों को इलेक्ट्रिक करना, भारी उद्योगों को मुख्य शहर से बाहर ले जाना। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने से भी प्रदूषण से निपटने में मदद मिल सकती है। लेकिन चीन के हर उपाय भारत जैसे देश में सहज रूप से लागू नहीं किए जा सकेंगे। उदाहरण के तौर पर चीन ने जिस तरह शंघाई और आसपास के शहरों की एकीकृत एजेंसी बनाकर उसके नेतृत्व में प्रदूषण से निपटने के उपाय किए हैं, उसी तरह से दिल्ली और आसपास के राज्यों के दिल्ली से सटे शहरों का एकीकृत मॉडल खड़ा करना आसान नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर एकीकृत बोर्ड का प्रस्ताव आज तक शुरू नहीं हुआ

दिल्ली-एनसीआर की कई समस्याओं को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर एकीकृत बोर्ड बनाने का एक प्रस्ताव वर्ष 1985 में पेश किया गया था। इसका उद्देश्य था कि आसपास के इलाकों की आवश्यकताओं को साथ रखते हुए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली विकसित की जाए जिससे भारी जाम से निजात मिल सके। लेकिन यह प्रस्ताव आज तक सिरे नहीं चढ़ पाया। अब लगभग 41 वर्षों के बाद दिल्ली सरकार ने एकीकृत परिवहन व्यवस्था स्थापित करने की संभावनाओं को तलाशने के लिए एक कमेटी का गठन किया है। दिल्ली-एनसीआर को विकसित करने के लिए श्नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड कार्य कर रहा है, लेकिन अपने उद्देश्य और सीमाओं के कारण यह उन उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर सका है जिसको लेकर केंद्रीय एकीकृत बोर्ड की कल्पना की गई थी।

ऑनलाइन गेम एवीएटर में 30 लाख हारा ठेकेदार, दी जान

एजेंसी। भोपाल

भोपाल में एक ठेकेदार ने ऑनलाइन गेमिंग में भारी नुकसान के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने ऑनलाइन गेम एवीएटर में करीब 30 लाख रुपए गंवाने का जिक्र सुसाइड नोट में किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शारदा नगर निवासी शिवान गुप्ता (32) सिविल कॉन्ट्रैक्टर था। गुरुवार रात उसने घर में फांसी लगा ली। शुक्रवार को घर की तलाशी के दौरान पुलिस को सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने लिखा कि उसने लोगों से उधार लेकर ऑनलाइन गेम खेला और सारी रकम हार गया। नुकसान के बाद लेनदारों के दबाव और मानसिक तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया। टीआई महेश लिल्हारे ने बताया कि मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। मोबाइल की फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि एवीएटर गेम किस प्लेटफॉर्म पर खेला जा रहा था और इसमें पैसों का लेनदेन किस तरह से हुआ। इस मामले में साइबर पुलिस की मदद ली जा रही है।

परिवार तलाश रहा था शादी के लिए लड़की

परिजनों ने पुलिस को बताया कि तीन महीने पहले तक शिवान का कारोबार ठीक चल रहा था। वह घर निर्माण के ठेके लेता था और उसने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। परिवार उसकी शादी के लिए लड़की तलाश रहा था, लेकिन किसी को उसके ऑनलाइन गेमिंग की लत की जानकारी नहीं थी।

पुलिस कराएगी हैंडराइटिंग की जांच

पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग की जांच कराई जाएगी। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पूरे मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की हाई कोर्ट में अपील

एजेंसी। नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी ने दिल्ली की ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ दाखिल शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था।बता दें कि 16 दिसंबर 2025 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट को गैर-कानूनी ठहराते हुए कहा कि यह निजी शिकायत पर आधारित थी, न कि किसी प्रीडिकेट ऑफिंस की एफआईआर पर। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पीएमएलए के तहत जांच के लिए एफआईआर अनिवार्य है। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के निष्कर्षों पर सवाल उठाते हुए अपील में कहा कि फैसला गलत है और शिकायत पर आगे बढ़ने की जरूरत है। एजेंसी दिल्ली पुलिस की हालिया एफआईआर को आधार बनाकर नई चार्जशीट दाखिल करने की भी तैयारी कर रही है। इस मामले में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की संपत्तियों के कथित दुरुपयोग के आरोप हैं। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है, जबकि ईडी आर्थिक अपराध मान रही है। मामला अब हाई कोर्ट में सुनवाई के लिए जाएगा।

शॉल वितरण के जरिए जरूरतमंदों के बीच पहुंचीं डॉ. वंदना भगत, सेवा को बताया राजनीति से ऊपर

- **कड़ाके की ठंड में मानवीय पहल, बनकट गांव में गर्माहट बनी उम्मीद**

केटी न्यूज/डुमरांव

कड़ाके की ठंड जब आम जनजीवन को जकड़ लेती है, तब सबसे ज्यादा मार गरीब, असहाय और बुजुर्गों पर पड़ती है। ऐसे समय में डुमरांव प्रखंड के बनकट गांव में एक मानवीय पहल देखने को मिली, जहां जरूरतमंदों के बीच शॉल और गर्म वस्त्र बांटकर ठंड से राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का नेतृत्व डुमरांव की रहने वाली भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश प्रभारी युवती संपर्क प्रमुख सह भावी मुख्य पार्षद (चेयरमैन) प्रत्याशी डॉ. वंदना भगत ने किया।

ठंड से जंग में सेवा बनी संबल

कार्यक्रम के दौरान गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर शॉल वितरित किए गए। ठंड से कांपते चेहरों पर जब गर्म शॉल की ओट मिली, तो राहत के साथ मुस्कान भी दिखाई दी। ग्रामीणों की बड़ी संख्या इस अवसर पर मौजूद रही और आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

प्रमुख लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष सह समाजसेवी राज कुमार कुंवर, जिला मंत्री ओम ज्योति भगत, अमृतांशु भगत, चंदन कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने इस सेवा अभियान को प्रेरणादायक बताते हुए इसे निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कुल मिलाकर, बनकट गांव में आयोजित यह शॉल वितरण कार्यक्रम ठंड के बीच मानवता की गर्माहट का प्रतीक बनकर उभरा।

जनसेवा मेरा संकल्प है : डॉ. वंदना भगत

इस मौके पर डॉ. वंदना भगत ने कहा कि सर्दी का मौसम गरीबों और बेसहारा लोगों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं होता। ऐसे समय में यदि समाज का सक्षम वर्ग आगे आए, तो कई जिंदगियों को राहत मिल सकती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसेवा उनके लिए केवल राजनीतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक कर्तव्य है। आगे भी क्षेत्र के लोगों की सेवा के लिए वे हर संभव प्रयास करती रहेंगी।

ग्रामीणों ने की सराहना

शॉल वितरण कार्यक्रम को लेकर गांव में सकारात्मक माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के कार्यों से समाज में आपसी सहयोग और मानवीय संवेदना मजबूत होती है। उन्होंने डॉ. वंदना भगत के प्रयास को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे नेतृत्व की आज समाज को जरूरत है, जो संकट के समय लोगों के साथ खड़ा हो।

पहली बार डी-ब्रीफिंग के साथ कर्मियों को मिला मंच, प्रशासन-कर्मचारी

डुमरांव में चुनावी मेहनत का सार्वजनिक सम्मान

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के सफल आयोजन के बाद डुमरांव अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक अनोखी और प्रेरक पहल देखने को मिली। अनुमंडल प्रशासन द्वारा डी-ब्रीफिंग सह सम्मान समारोह का आयोजन कर चुनावी प्रक्रिया से जुड़े हर स्तर के कर्मियों के योगदान को सार्वजनिक रूप से सराहा गया। यह आयोजन इसलिए खास रहा क्योंकि डुमरांव अनुमंडल में पहली बार बीएलओ, शिक्षक, मतदानकर्मी ही नहीं, बल्कि वाहन चालक और सहायक कर्मियों तक को एक साथ सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने की। मंच संचालन शिक्षक अनुराग कुमार द्वारा किया गया। समारोह के दौरान एसडीएम ने स्वयं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया, जिससे पूरे माहौल में उत्साह और गर्व का भाव देखने को मिला।

टीमवर्क की जीत, हर भूमिका अहम

अपने संबोधन में एसडीएम राकेश कुमार ने कहा कि विधानसभा आम निर्वाचन की सफलता किसी एक अधिकारी या विभाग की नहीं, बल्कि सामूहिक टीमवर्क की जीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का यह सबसे बड़ा पर्व तभी सफल हो पाता है, जब बूथ लेवल ऑफिसर से लेकर मतदान दल, सुरक्षा कर्मी, वाहन चालक और सहायक कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाते हैं। एसडीएम ने यह भी कहा कि इस तरह के सम्मान समारोह कर्मियों का मनोबल बढ़ाते हैं और भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

निष्पक्ष चुनाव में प्रशासनिक समन्वय की भूमिका

समारोह में ब्रह्मपुर प्रखंड के बीडीओ सोनु कुमार ने कहा कि चुनाव कार्य के दौरान सभी कर्मियों ने समयबद्ध और अनुशासित तरीके से अपने कार्यों को पूरा किया। मतदाता सूची के अद्यतन, मतदान केंद्रों की तैयारी और मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन में बीएलओ एवं शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही। डुमरांव नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुलधर दुबे ने नगर क्षेत्र में मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता और व्यवस्था बनाए रखने में कर्मियों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक समन्वय के बिना इतने बड़े आयोजन को सफल बनाना संभव नहीं था।डुमरांव के बीडीओ संदीप पांडेय ने चुनावी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कई बार विषम परिस्थितियां सामने आईं, लेकिन टीमवर्क और आपसी सहयोग से हर समस्या का समाधान किया गया। कर्मियों ने धैर्य और अनुशासन के साथ निदेशों का पालन किया, जिससे चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सका।

सम्मान के साथ विश्वास भी मजबूत

समारोह के अंत में सभी कर्मियों को सम्मानित कर धन्यवाद ज्ञापन किया गया। यह आयोजन केवल प्रशस्ति पत्र वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रशासन और कर्मियों के बीच आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बना। डुमरांव में हुआ यह आयोजन आने वाले समय में अन्य अनुमंडलों के लिए भी एक प्रेरणादायी उदाहरण माना जा

एसआईआर अभियान पर जमीनी अनुभव साझा

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर रहा। बीएलओ ने मतदाता सूची अद्यतन के दौरान घर-घर सत्यापन, मतदाताओं को जागरूक करने और फील्ड स्तर पर आई चुनौतियों के अनुभव साझा किए। इन अनुभवों ने न केवल प्रशासन को फीडबैक दिया, बल्कि भविष्य में और बेहतर रणनीति बनाने का रास्ता भी दिखाया।

पंचायत सचिव ने मुखिया पति पर लगाया गंभीर आरोप, सरकारी राशि के दुरुपयोग रोकने पर धमकी व मारपीट का प्रयास

- **बीपीआरओ कार्यालय परिसर में हंगामा, जान से मारने की धमकी देने का आरोप, थाने में दर्ज कराई**

केटी न्यूज/चौसा

बक्सर जिले के चौसा प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पलिया में तैनात पंचायत सचिव संजय कुमार ने मुखिया पति उपेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। पंचायत सचिव द्वारा मुफस्सिल दर्ज कराए गए एफआईआर में जिक्र किया गया है कि सरकारी राशि के दुरुपयोग को रोकने के कारण उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही हैं। पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार पंचायत सचिव संजय ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत पलिया की मुखिया के पति उपेंद्र सिंह, जो अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं और सरकारी राशि का अवैध रूप से उपयोग करना चाहते हैं। पंचायत सचिव का कहना है कि उनके द्वारा नियमानुसार राशि खर्च करने की सलाह दी जाती है, जिसमें रॉयल्टी, लेबर सेस, वैधानिक शुल्क, ब्याज आदि की गणना शामिल है। लेकिन मुखिया पति द्वारा विभिन्न प्रकार के कर, स्थापना मद व ब्याज की राशि को जबरन खर्च कराने का दबाव स्वीकार नहीं करने पर उन्हें गाली-गलौज और मारपीट की धमकी दी जाती है। आवेदन में उल्लेख है कि 18 दिसंबर को दोपहर करीब 1.30 बजे प्रखंड कार्यालय, चौसा परिसर में मुखिया पति अचानक पहुंचे और पंचायत सचिव के साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि कॉलर पकड़कर खींचा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। यह पहली घटना नहीं है, इससे पूर्व भी कई बार इस तरह की हरकत की जा चुकी है।

पंचायत सचिव ने स्पष्ट कहा है कि ऐसी परिस्थिति में पंचायत में कार्य करना असंभव हो गया है और भविष्य में यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी उपेंद्र सिंह की होगी। हालांकि, मुखिया पति ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है, उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव ठीक से काम नहीं करते है। इसकी शिकायत मैने की थी, जिससे खार खाए उन्होंने झूठा मामला दर्ज कराया है।

वहीं, मुफिस्सल थानाध्यक्ष ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर इस मामले की जांच की जा रही है।

शराब तस्करी के आरोप में महिला के साथ पकड़ा गया फर्जी दारोगा, चारपहिया वाहन जब्त

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतू पर उत्पाद विभाग की टीम एक शराब तस्करी के आरोप में एक फर्जी दारोगा को उसकी महिला मित्र के साथ पकड़ा है। उत्पाद टीम ने उसकी कार तथा जब्त करने के साथ ही 31.920 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। गिरफ्तार तस्कर तस्करों में सारण जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के मिश्रवलिया गांव निवासी रवि किशन पिता पशुपतिनाथ तथा पटना के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदमारी निवासी अमृता कुमारी पिता दयानंद ठाकुर शामिल है। छापेमारी की कारवाई उत्पाद निरीक्षक कुंदन कुमार के नेतृत्व में की गई थी। उत्पाद निरीक्षक ने बताया कि पूछताछ के दौरान तस्कर ने खुद को बिहार पुलिस का दारोगा बताया और उत्पाद टीम पर धौंस जमाते हुए पुलिस के वरीय अधिकारियों से बात कराने का झांसा दिया, लेकिन उसकी चालाकी धरी की धरी रह गई। उत्पाद टीम ने जब उसके कार बीआर 01 बीजी 2751 की तलाशी ली तो उसमें रखे बैग के अंदर से शराब की बोतले बरामद हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उत्पाद निरीक्षक ने बताया कि पहले भी रवि आरा व पटना में फर्जी दारोगा बन शराब तस्करी करते पकड़ा गया था। दोनों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

रोजगार की तलाश में सूरत गये मजदूर की मौत, शव आते ही मचा कोहराम

केटी न्यूज/राजपुर

रोजगार की उम्मीद लेकर सूरत गया मंगराव गांव का मजदूर सुग्रीव गोसाई आखिरकार अपनों के लिए लाश बनकर लौटा। थाना क्षेत्र के मंगराव गांव निवासी 35 वर्षीय सुग्रीव गोसाई की सूरत में इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार की सुबह जैसे ही उसका शव गांव पहुंचा, घर से लेकर पूरे गांव में कोहराम मच गया।

गिद्दी गोसाई का पुत्र सुग्रीव बीते दो महीने पहले परिवार की बदहाल आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सूरत गया था। वहां वह शिव मंगलम साड़ी कंपनी में मजदूरी कर रहा था। परिवार की रोजी-रोटी का एकमात्र सहारा सुग्रीव ही था। लेकिन विडंबना देखिए कि मेहनतकश मजदूर की जिंदगी न कंपनी के लिए मायने रखी और न ही सरकारी तंत्र के लिए।

चार दिन पहले अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। साथ काम कर रहे मजदूरों ने उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही पत्नी और दो मासूम बेटे सौरभ व आकाश पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

सबसे दर्दनाक पहलू यह रहा कि एक गरीब मजदूर का शव घर लाने के लिए भी परिवार को भारी मशक्कत करनी पड़ी। साथियों के अनुसार कंपनी प्रबंधन ने कोई ठोस मदद नहीं की। मजदूरों के दबाव में कंपनी ने सिर्फ नाममात्र की राशि दी, जबकि बाकी खर्च अन्य मजदूरों और परिचितों ने किसी तरह जुटाया।

शव गांव पहुंचते ही मातमी सन्नाटा छा गया। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा कि सुग्रीव की मौत ने मजदूरों की असुरक्षित जिंदगी और सिस्टम की बेरुखी को उजागर कर दिया है। पूर्व उप सरपंच रमाकांत खरवार, मदन साह, अखिलेश्वर साह, अनूप कुमार समेत कई लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए सरकार से पीड़ित परिवार को अविलंब मुआवजा और सहायता देने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते इलाज, कंपनी की जिम्मेदारी और सरकारी सहायता मिलती तो शायद एक परिवार उजड़ने से बच सकता था।

डॉ. बिरेन्द्र राम की दस्तक से गुलजार हुआ अनुमंडलीय अस्पताल

- **विशेष ड्यूटी की खबर मिलते ही उमड़े हड्डी रोग के मरीज, शुक्रवार को दिखा शनिवार जैसा नजारा**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में शुक्रवार को कुछ अलग ही माहौल देखने को मिला। आमतौर पर जिस अस्पताल में शुक्रवार अपेक्षाकृत शांत रहता है, वहां सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें लग गईं। पर्ची काउंटर से लेकर ओपीडी तक लोगों की भीड़ देखकर हर कोई हैरान था। अस्पताल परिसर में चहल-पहल इतनी थी कि शनिवार जैसा नजारा प्रतीत हो रहा था।

इस बदले हुए माहौल की वजह थे प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. बिरेन्द्र राम, जिनकी शुक्रवार को विशेष ड्यूटी लगी थी। जैसे ही उनकी उपस्थिति की जानकारी मरीजों तक पहुंची, वैसे ही दूर-दराज के इलाकों से भी लोग अस्पताल पहुंचने लगे। खासकर हड्डी, जोड़, कमर और घुटने के दर्द से परेशान मरीज बड़ी उम्मीद के साथ डॉ. राम से मिलने पहुंचे।

मरीजों का कहना है कि डॉ. बिरेन्द्र राम न सिर्फ एक कुशल हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं, बल्कि उनका इलाज करने का तरीका भी बेहद मानवीय और प्रभावी है। वे दवा के साथ-साथ मरीजों को खान-पान, दिनचर्या और नियमित व्यायाम पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हैं। यही वजह है कि उनके इलाज का असर जल्दी दिखाई देता है और मरीज संतुष्ट होकर लौटते हैं।

ओपीडी में मौजूद कई मरीजों ने बताया कि डॉक्टर साहब हर मरीज की समस्या को धैर्यपूर्वक सुनते हैं और सरल भाषा में बीमारी व इलाज की जानकारी देते हैं। उनका व्यवहार इतना सहज और आत्मीय होता है कि मरीज आधी बीमारी तो वहीं भूल जाते हैं। यही कारण है कि उनकी मरीजों की फेहरिस्त लगातार बढ़ती जा रही है।

शुक्रवार को अस्पताल में उमड़ी भीड़ ने यह साफ कर दिया कि अच्छे इलाज के साथ-साथ डॉक्टर का व्यवहार भी मरीजों का विश्वास जीतने में बड़ी भूमिका निभाता है। डॉ. बिरेन्द्र राम की विशेष ड्यूटी ने न केवल अस्पताल को गुलजार कर दिया, बल्कि एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सेवा भाव और विशेषज्ञता का मेल ही किसी चिकित्सक को खास बनाता है।

रामपुर की अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई बनी मिसाल, कचरे से तैयार जैविक खाद ने बदली खेती की सोच

पीके बादल/केसठ

प्रखंड के रामपुर गांव स्थित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई में लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत कार्यरत कर्मियों ने ऐसा कार्य कर दिखाया है, जिसकी चर्चा अब पूरे क्षेत्र में हो रही है। गांव से निकलने वाले बेकार समझे जाने वाले कचरे को एकत्र कर कर्मियों ने मात्र तीन माह में उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद तैयार कर दी है। यह पहल न सिर्फ स्वच्छता की दिशा में बड़ी उपलब्धि है, बल्कि जैविक खेती को बढ़ावा देने का भी मजबूत उदाहरण बनकर उभरी है। कर्मियों द्वारा नाडेप में तैयार इस जैविक खाद की गुणवत्ता परखने के

लिए डीआरपी त्रिभुवन सिंह ने इसे प्रयोग में लाकर देखा। उन्होंने तैयार खाद में प्याज की फसल लगाई, जो महज 15 दिनों के भीतर तैयार हो गई। खास बात यह रही कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की रासायनिक खाद या दवा का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बावजूद फसल की गुणवत्ता बाजार में मिलने वाली प्याज की तुलना में कहीं बेहतर पाई गई। डीआरपी ने बताया कि इस जैविक खाद से उगाई गई प्याज स्वाद, आकार और पौष्टिकता तीनों ही मामलों में उत्कृष्ट है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद के लगातार उपयोग से जहां मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है, वहीं रामपुर में तैयार की गई यह जैविक खाद मिट्टी के स्वास्थ्य को सुधारने में कारगर साबित होगी। यह न सिर्फ किसानों के लिए फायदेमंद है, बल्कि आम लोगों की सेहत के लिए भी सुरक्षित और लाभकारी है। उन्होंने बताया कि इस खाद को तैयार करने में गांव से निकलने वाले गोबर, सब्जियों के छिलके, घरों से निकलने वाला गीला कचरा और विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन से निकलने वाले खाद्य अपशिष्ट सड़े गले फल का उपयोग किया गया है। आमतौर पर यही कचरा इधर-उधर फेंक दिया जाता है, जिससे गंदगी फैलती है। लेकिन लोहिया स्वच्छता अभियान के कर्मियों ने इसे संसाधन में बदलकर मिसाल कायम कर दी है। इस उपलब्धि के बाद क्षेत्र के किसान भी उत्साहित नजर आ रहे हैं। डीआरपी ने कहा कि यदि किसी भी किसान बंधु को इस जैविक खाद की आवश्यकता हो, तो वे रामपुर स्थित अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई से सीधे संपर्क कर सकते हैं। भविष्य में इसे बड़े पैमाने पर तैयार कर किसानों तक पहुंचाने की योजना भी बनाई जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि रामपुर की यह पहल स्वच्छ भारत मिशन और जैविक खेती दोनों उद्देश्यों को एक साथ साकार कर रही है। कचरे से खाद बनाकर न सिर्फ गांव को साफ रखा जा रहा है, बल्कि किसानों की आमदनी बढ़ाने और लोगों को रासायनिक मुक्त भोजन देने की दिशा में भी ठोस कदम उठाया गया है। रामपुर की अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई आज पूरे प्रखंड के लिए प्रेरणा बन चुकी है। डीआरपी ने कहा कि अगर ये पहल हर पंचायत में की जाए, तो स्वच्छता, स्वास्थ्य और खेती तीनों क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव संभव है।

आपकी पूंजी, आपका अधिकारह्व अभियान के तहत 1.42 लाख खातों की राशि लौटाने की पहल तेज

बक्सर में 63.79 करोड़ की अनक्लेम्ड पूंजी पर सरकार की नजर

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के विभिन्न सरकारी व निजी बैंकों में वर्षों से निष्क्रिय पड़े खातों में जमा करोड़ों रुपये अब खाताधारकों या उनके परिजनों तक पहुंचाने की दिशा में ठोस पहल शुरू हो गई है। बक्सर जिले में कुल 1 लाख 42 हजार 928 खातों में 63 करोड़ 79 लाख रुपये अनक्लेम्ड राशि के रूप में जमा होने का खुलासा हुआ है। इस राशि के निबटान और लोगों को उनके वित्तीय अधिकार दिलाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला समाहरणालय स्थित नए सभागार में ह्लआपकी पूंजी, आपका अधिकारह्व अभियान के तहत विशेष जागरूकता सह समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

-- वित्त मंत्रालय व आरबीआई के निर्देश पर शिविर का आयोजन

यह शिविर वित्त मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के आलोक में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन उप विकास आयुक्त निहारिका छवि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर अपर समाहर्ता बक्सर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता (बैंकिंग), डीडीएम नाबार्ड, जिले के सभी बैंकों के जिला समन्वयक, बीमा कंपनियों के प्रबंधक सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

142928 खातों में 63.79 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड

शिविर की शुरूआत करते हुए अग्रणी जिला बैंक कार्यालय के वरीय प्रबंधक महावीर प्रसाद गुप्ता ने अभियान के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बक्सर जिले के विभिन्न बैंकों में कुल 142928 खातों में 63.79 करोड़ रुपये अनक्लेम्ड राशि के रूप में जमा हैं। इनमें से 109804 व्यक्तिगत खातों में 44.41 करोड़ रुपये, 33124 संस्थागत व सरकारी खातों में 19.37 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 30 नवंबर 2025 तक 119 खातों में 1.79 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड राशि का सफलतापूर्वक निबटारा कर खाताधारकों या उनके उत्तराधिकारियों को भुगतान किया जा चुका है।

सरल, पारदर्शी और समयबद्ध निबटान का लक्ष्य

अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सभी वैध दावों का सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निबटान करना है, ताकि आम नागरिकों को बैंकों और बीमा कंपनियों के चक्कर न काटने पड़ें। इसके लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया है और ऑनलाइन माध्यमों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

जागरूकता से ही मिलेगा वित्तीय अधिकार : डीडीसी

उप विकास आयुक्त निहारिका छवि ने अपने संबोधन में कहा कि अनक्लेम्ड जमा राशि, बीमा दावे और अन्य वित्तीय दावों को समय पर प्राप्त करने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। सरकार का यह अभियान लोगों को उनकी मेहनत की कमाई लौटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में लोग अपने ही पैसे से वंचित रह जाते हैं, जिसे यह अभियान दूर करने का काम करेगा।

मृत्यु या जानकारी के अभाव में अटकी रहती है राशि

कार्यक्रम में बताया गया कि देशभर में लाखों ऐसे निवेशक हैं, जिन्होंने बैंकों, बीमा कंपनियों या म्यूचुअल फंड में निवेश किया, लेकिन खाताधारक की मृत्यु, पता बदलने या जानकारी के अभाव में वह राशि अनक्लेम्ड रह जाती है। बाद में यह राशि संबंधित विभागों में जमा हो जाती है। इसी ह्लखोई हुई पूंजीह्व को निवेशकों या उनके परिजनों तक वापस पहुंचाने के लिए यह योजना चलाई जा रही है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की दी गई जानकारी

शिविर में उपस्थित लोगों को अनक्लेम्ड राशि से जुड़े दावों तक पहुंच आसान बनाने के लिए उपलब्ध सरकारी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने पुराने बैंक खाते, बीमा पॉलिसी और निवेश दस्तावेजों की जांच करें और समय रहते दावा प्रस्तुत करें, ताकि उनकी जमा पूंजी सुरक्षित रूप से उन्हें वापस मिल सके।

एक नजर

दान, शिक्षा और राष्ट्रसेवा की मिसाल बनीं धरीक्षणा कुंवरी, डी.के. कॉलेज में श्रद्धा के साथ याद की गई

डुमरांव। शाहाबाद की धरती पर दान, त्याग और शिक्षा की अलख जगाने वाली पुण्यश्लोका धरीक्षणा कुंवरी की पुण्यतिथि शुक्रवार को डी.के. कॉलेज, डुमरांव में गरिमामय और प्रेरणास्पद वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व कॉलेज की प्रथम प्रचार्या प्रो. वीणा कुमारी ने किया, जिन्होंने धरीक्षणा कुंवरी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की और उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. वीणा कुमारी ने कहा कि धरीक्षणा कुंवरी केवल एक दानवीर महिला नहीं, बल्कि शिक्षा और राष्ट्रभक्ति की सशक्त प्रतीक थीं। उन्होंने अपने दान से स्कूल, कॉलेज और अस्पतालों की नींव रखी, वहीं देश की आजादी के आंदोलन में भी अपना योगदान देते हुए महात्मा गांधी को अपने दोनों हाथों के कंगन दान कर दिए। प्रचार्या ने कहा कि डी.के. कॉलेज स्वयं उनके आदर्शों की जीवंत धरोहर है, जिसे शिक्षकों और विद्यार्थियों को मिलकर संवारना और आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि धरीक्षणा कुंवरी की जयंती को भी बड़े स्तर पर मनाया जाए, ताकि नई पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ले सके। पुण्यतिथि समारोह में कॉलेज परिवार के साथ-साथ शिक्षाविदों और समाजसेवियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। पूर्व प्रचार्य डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. राजू मोची, सीनेट सदस्य डॉ. विनोद कुमार सिंह सहित अनेक प्राध्यापकों ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि धरीक्षणा कुंवरी का जीवन आज के समाज के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में शिक्षकेत्तर कर्मियों की भी सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि दान, शिक्षा और सेवा की जिस परंपरा की नींव धरीक्षणा कुंवरी ने रखी, उसे आने वाली पीढ़ियों तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा। समारोह ने कॉलेज परिसर को प्रेरणा और श्रद्धा के भाव से सराबोर कर दिया।

शराब पीकर उत्पात मचाना पड़ा महंगा, पांच गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने शराब पीकर उत्पात मचाने वाले पांच शराबियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। गिरफ्तार शराबियों में डुमरांव के खिरौली निवासी छोटे राय पिता गजाधर राय, पुराना भोजपुर के धनजी चौधरी पिता स्व. रामनारायण चौधरी व विक्की चौधरी पिता छोटक चौधरी नया भोजपुर के भरत राय पिता दसरथ राय व मो. शालिम पिता गुलाम रसूक शामिल है। थानाध्यक्ष चंदन कमार ने बताया कि इनकी गिरफ्तारी गुरूवार की रात थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी का मेडिकल जांच करवाया गया, जहां शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उन्हे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। दूसरी तरफ पुलिस की इस कार्रवाई से शराबियों तथा तस्करों में हड़कंप मच गया है।

चौगाई मार्ग पर अनियंत्रित हो ऑटो पलटी, चार सवारी जख्मी

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरानसराय-चौगाईं मार्ग पर शुक्रवार की सुबह ब्रह्म स्थान के पास यात्रियों से भरी एक ऑटो रिक्शा अनियंत्रित हो पलट गई। इस घटना में ऑटो में सवार चार यात्रियों को आंशिक चोटें आई है। जानकारी के अनुसार ऑटो कोरानसराय से चौगाईं की तरफ जा रही थी। बताया जा रहा है कि संभवतः किसी वाहन से बचने के प्रयास में ऑटो सड़क किनारे चाट में पलट गई थी। हालांकि, जख्मियों की पहचान नहीं हो सकी है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने जख्मियों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया।

कड़ाके की ठंड में बच्चों को राहत, डीएम ने किया स्कूल समय में बदलाव

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में लगातार बढ़ती ठंड और उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। ठंड के मौसम में छोटे बच्चों के बीमार पड़ने की बढ़ती आशंका को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी साहिला ने जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए समय-सीमा में अस्थायी बदलाव का आदेश जारी किया है।जारी निर्देश के अनुसार जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में, प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों सहित, सुबह 9 बजे से पहले तथा शाम 4.30 बजे के बाद किसी भी प्रकार की शैक्षणिक गतिविधि संचालित नहीं की जाएगी। यह व्यवस्था 20 दिसंबर से लागू होकर 25 दिसंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। जिला प्रशासन का मानना है कि इस समयावधि में तापमान बेहद कम रहने से बच्चों को ठंड लगने, सर्दी-जुकाम और अन्य मौसमी बीमारियों का खतरा अधिक रहता है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय पूरी तरह से बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। खासकर नन्हे बच्चों के लिए सुबह की ठंडी हवाएं और देर शाम का समय जोखिम भरा साबित हो सकता है। ऐसे में स्कूल समय को नियंत्रित कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की कोशिश की गई है।

हालांकि, इस आदेश में उन कक्षाओं और परीक्षाओं को छूट दी गई है, जो प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित हैं। परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित समय के अनुसार ही संचालित किए जा सकेंगे, ताकि छात्रों की पढ़ाई और शैक्षणिक कैलेंडर प्रभावित न हो।

जिला प्रशासन ने विद्यालय प्रबंधन से आदेश का सख्ती से पालन करने और बच्चों के हित में सहयोग करने की अपील की है।

चौसा रेलवे स्टेशन की उपेक्षा के खिलाफ 23 दिसंबर को अनशन व कड़ा प्रदर्शन

केटी न्यूज/बक्सर

वर्षों से उपेक्षा का दंश झेल रहे चौसा रेलवे स्टेशन को लेकर अब स्थानीय लोगों का सब्र जवाब देने लगा है। ट्रेनों के ठहराव, यात्रियों की बुनियादी सुविधाओं और आरक्षण व्यवस्था की मांग को लेकर चौसा रेलवे यात्री संघर्ष समिति द्वारा 23 दिसंबर (मंगलवार) को अनशन एवं कड़ा प्रदर्शन करने का एलान किया है। यह आंदोलन सुबह 10 बजे से चौसा रेलवे स्टेशन परिसर में शुरू होगा और मांगें पूरी होने तक जारी रहने की बात कही गई है।

संघर्ष समिति का कहना है कि चौसा और आसपास के क्षेत्रों की लाखों की आबादी रेलवे सेवाओं पर निर्भर है, बावजूद इसके स्टेशन को लगातार सौतेला व्यवहार झेलना पड़ रहा है। कई बार ज्ञापन सौंपने और मांगें उठाने के बाद भी रेलवे प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई, जिससे जनता में गहरा आक्रोश है। समिति का आरोप है कि मजबूर होकर अब आम यात्रियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है।

समिति की प्रमुख मांगों में श्रमजीवी एक्सप्रेस और हावड़ा-अमृतसर मेल का दोनों दिशाओं से ठहराव, मगध एक्सप्रेस और जनशताब्दी एक्सप्रेस का दोनों ओर से ठहराव शामिल है। इसके अलावा 53202/53201 बक्सर-पटना फास्ट पैसेंजर एवं पटना-बक्सर फास्ट पैसेंजर ट्रेन को चौसा रेलवे स्टेशन तक विस्तारित करने की मांग की गई है। स्टेशन पर मूलभूत यात्री सुविधाएं बहाल करने, शुद्ध पेयजल के लिए वाटर कूलर लगाने तथा कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली शुरू करने की भी मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है।

संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी। समिति ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे चौसा और आसपास के क्षेत्र की जनता के अधिकार और सम्मान की लड़ाई है।

सिमरी के प्रियांशु कुमार राय बने लद्दाख जूनियर वॉलीबॉल टीम के राष्ट्रीय मुख्य प्रशिक्षक

■ 49वीं जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जिले को दिलाया गौरव

केटी न्यूज/सिमरी

प्रतिभा जब मेहनत और लगन से मिलती है, तो गांव की पहचान राष्ट्रीय मंच तक पहुंच जाती है। सिमरी प्रखंड अंतर्गत सिमरी पंचायत के सिमरी दूधी पट्टी गांव निवासी प्रियांशु कुमार राय ने ऐसा ही कर दिखाया है। शर्मा परिवार से ताल्लुक रखने वाले अरविंद राय के पुत्र प्रियांशु कुमार राय का चयन लद्दाख जूनियर पुरुष वॉलीबॉल टीम के राष्ट्रीय मुख्य प्रशिक्षक (हेड कोच) के रूप में हुआ है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल सिमरी बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन कर दिया है।

राष्ट्रीय मंच पर कोचिंग कौशल का शानदार प्रदर्शन

राजस्थान के पिलानी में 16 से 21 दिसंबर 2025 तक आयोजित 49वीं जूनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में प्रियांशु कुमार राय ने लद्दाख टीम की कमान संभाली। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की टीमें शामिल हुईं, जहां कड़े मुकाबलों के बीच लद्दाख टीम ने अनुशासन और जुझारूपन से अपनी अलग पहचान बनाई।

सीमित संसाधनों में भी मजबूत रणनीति

मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रियांशु राय ने खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ रणनीतिक समझ और मानसिक मजबूती प्रदान की। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने टीम को इस तरह तैयार किया कि खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरे। हर मुकाबले में टीम भावना, तालमेल और खेल कौशल साफ झलकता रहा, जिसने दर्शकों और खेल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया।

खिलाड़ियों को मिला राष्ट्रीय अनुभव

चैंपियनशिप के दौरान लद्दाख के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतिद्वंद्वियों से खेलने का अवसर मिला। इससे न केवल उनके खेल में निखार आया, बल्कि भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए आत्मविश्वास भी मजबूत हुआ। प्रियांशु राय के मार्गदर्शन में टीम ने कई मजबूत टीमों को कड़ी चुनौती दी और आने वाले समय के लिए ठोस आधार तैयार किया।

सिमरी से लद्दाख तक खुशी की लहर

इस उपलब्धि पर लद्दाख वॉलीबॉल संघ, खेल प्रेमियों, स्थानीय खेल संगठनों और सिमरी क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। गांव में लोग गर्व के साथ प्रियांशु राय की सफलता की चर्चा कर रहे हैं। सभी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय वॉलीबॉल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

56 भोग, देसी केक और लोकगीतों के संग याद किए गए भोजपुरी के शेक्सपियर भिखारी ठाकुर

■ संगोष्ठी, सम्मान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी जयंती, लोककला के पुरोधा को नमन

केटी न्यूज/बक्सर

भोजपुरी लोकसंस्कृति के अप्रतिम साधक और ह्लभोजपुरी के शेक्सपियरह्व कहे जाने वाले भिखारी ठाकुर की जयंती इस बार बक्सर में बिल्कुल अलग रंग और अंदाज में मनाई गई। डिस्ट्रिक्ट आर्टिस्ट एसोसिएशन ऑफ बक्सर (डाब) के तत्वावधान में स्थानीय रेडक्रॉस भवन का सभागार लोककला, साहित्य और सम्मान के त्रिवेणी संगम का साक्षी बना। कार्यक्रम की शुरूआत भिखारी ठाकुर के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। उद्घाटन प्रख्यात चिकित्सक व साहित्यकार डॉ. महेंद्र प्रसाद और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अरुण मोहन भारवि ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद 56 प्रकार के देसी व्यंजनों का भोग अर्पित कर और देसी केक काटकर लोक कलाकार को श्रद्धांजलि दी गई। यह दृश्य अपने आप में अनूठा और भावनात्मक रहा।

लोककला से लोकचेतना तक की यात्रा

इस मौके पर भिखारी ठाकुर, क्रांति-दर्शिता विषयक संगोष्ठी में वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को सामाजिक बदलाव के औजार के रूप में रेखांकित किया। मुख्य वक्ता डॉ. अरुण मोहन भारवि ने कहा कि भिखारी ठाकुर सिर्फ कलाकार नहीं, बल्कि लोकजागरण के अग्रदूत थे, जिन्होंने मंच को समाज का आईना बना दिया। विशिष्ट अतिथि सत्यदेव प्रसाद, सुरेश अग्रवाल, डॉ. श्रवण कुमार तिवारी, बृजकिशोर सिंह और डॉ. शशांक शेखर ने भी उनके सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डाब के अध्यक्ष सुरेश संगम ने कहा कि बीते 32 वर्षों से संस्था कलाकारों के उत्थान और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है और भिखारी ठाकुर की परंपरा को आगे बढ़ाना ही उसका उद्देश्य है।

गीतों में गूंजा विरह, भावुक हुआ सभागार

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। भिखारी ठाकुर रचित गीतों की प्रस्तुति के क्रम में प्रख्यात भोजपुरी गायक-नायक गोपाल राय का विरह गीत सुनकर पूरा सभागार भाव-विभोर हो उठा। लोकधुनों के साथ उनकी आवाज ने मानो भिखारी ठाकुर को मंच पर सजीव कर दिया।

सम्मान के साथ कृतज्ञता

इस अवसर पर पत्रकारिता, साहित्य, रंगकर्म और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कई विभूतियों को मोमेंटो, पगड़ी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में मनोज सिंह, राम एकबाल ठाकुर, अजय कुमार मिश्रा, गिरधारी अग्रवाल, रागिनी जायसवाल, प्रदीप जायसवाल और ओमजी यादव शामिल रहे।

राधा शांता महाविद्यालय, तिलौथू में अग्निशमन मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

- **आपदा प्रबंधन को लेकर छात्र-छात्राओं को दी गई व्यवहारिक जानकारी**

केटी न्यूज/रोहतास

राधा शांता महाविद्यालय, तिलौथू परिसर में अग्निशमन विभाग के सहयोग से (मॉक ड्रिल) का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को आगजनी जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता, सुरक्षा और त्वरित बचाव उपायों की व्यवहारिक जानकारी देना था। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निशमन कर्मियों ने आग लगने की स्थिति में घबराए बिना सुरक्षित तरीके से बाहर निकलने, आग पर काबू पाने तथा प्राथमिक बचाव उपायों का लाइव डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किया। अग्निशामक यंत्रों के प्रयोग, फायर अलार्म सिस्टम और आपातकालीन निकास मार्गों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे उपस्थित छात्र-छात्राओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकगण भी उपस्थित रहे, जिनमें–

1. शिव राजेंद्र सर,
2. पांडे सर,
3. ए. पी. सर प्रमुख रूप से शामिल थे। शिक्षकों ने मॉक ड्रिल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम वर्तमान समय की आवश्यकता हैं, क्योंकि आपदा कभी भी और कहीं भी आ सकती है, ऐसे में पूर्व तैयारी ही सबसे बड़ा बचाव है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अग्निशमन से संबंधित प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस तरह के सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता जताई। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से राधा शांता महाविद्यालय ने यह संदेश दिया कि शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा का ज्ञान भी उतना ही आवश्यक है, ताकि आपात स्थिति में जान-माल की क्षति को रोका जा सके।

क्रिसमस और न्यू ईयर के मौके पर गंगा नदी में नहीं चलेंगे नाव, पटना जिला प्रशासन का आदेश

एजेंसी। पटना

25 दिसंबर को क्रिसमस और 01 जनवरी को नववर्ष के मौके पर लोग पिकनिक मनाने और घूमने के लिए गंगा नदी के किनारे जाते हैं। इस दिन गंगा तट के किनारे लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है। इन दोनों दिन निजी बोट और नाव के परिचालन बंद रहेगा। 25 दिसंबर को सुबह 6 बजे से पूरे दिन नाव नहीं चलेगा। वही 01 जनवरी 2026 के अवसर पर 31.12.2025 की सुबह 6:00 बजे से 01 जनवरी 2026 (नये साल के पहले दिन) शाम तक किसी भी निजी बोट/नाव का बिना अनुमति परिचालन पूर्णतः बंद रखा जायेगा। पटना डीएम के निर्देश पर अनुमंडल दंडाधिकारी, पटना सदर ने यह आदेश जारी किया है। जिसमें इस बात का जिक्र है कि जिला पदाधिकारी, पटना के पत्रांक 18372 और 18376 दिनांक-16.12.2025 द्वारा सूचितः किया गया है कि 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस पर्व और 01 जनवरी 2026 को नव वर्ष के अवसर पर गंगा नदी के तट पर आम लोगों का भीड़ होता है एवं लोग गंगा नदी के उस पार जाकर पिकनिक मनाते है। इस अवसर पर बहुत लोग प्रचार प्रसार के बहाने नावों का परिचालन करते है जिसमें आम लोगों के असुविधा होती है, एवं नाविकों द्वारा ओभर लोडिंग कर बोट/नावों पर लादान क्षमता से अधिक व्यक्तियों को बैठाकर बेतरतीब तरीके से नावों का अवैध परिचालन से इनकार नहीं किया जा सकता है, जिसके कारण दुर्घटना होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। उनकी सुरक्षा तथा विधि-व्यवस्था की महत्ता एवं पूर्व की घटी नाव दुर्घटना को देखते हुए गंगा नदी में क्रिसमस पर्व के अवसर पर निजी बोट / नाव का परिचालन बंद रखना आवश्यक प्रतीत होता है। अत एव मैं गौरव कुमार, अनुमंडल दंडाधिकारी, पटना सदर विधि द्वारा प्रदत्त भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत यह आदेश देता हूँ कि पटना सदर अनुमंडल क्षेत्रान्तर्गत गंगा नदी में 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस पर्व के अवसर पर दिनांक-25.12.2025 को पूर्वाह्न 6:00 बजे तक किसी भी निजी बोट / नाव का बिना अनुमति परिचालन पूर्णतः बंद रखा जायेगा। यह आदेश दिनांक-25.12.2025 को पूर्णतः प्रभावी रहेगा। यह आदेश मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मोहर से दिनांक 17.12.2025 को जारी किया जाता है। (श्री गौरव कुमार) अनुमंडल दण्डाधिकारी, पटना सदर। वही दूसरे आदेश में यह कहा गया है कि पूर्व की घटी नाव दुर्घटना को देखते हुए गंगा नदी में 01 जनवरी 2026 के अवसर पर निजी बोट / नाव का परिचालन बंद रखना आवश्यक प्रतीत होता है। अतएव मैं गौरव कुमार, अनुमंडल दंडाधिकारी, पटना सदर विधि द्वारा प्रदत्त भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत यह आदेश देता हूँ कि पटना सदर अनुमंडल क्षेत्रान्तर्गत गंगा नदी में 01 जनवरी 2026 के अवसर पर दिनांक-31.12.2025 को पूर्वाह्न 6:00 बजे से 01 जनवरी 2026 को अपराह्न तक किसी भी निजी बोट/नाव का बिना अनुमति परिचालन पूर्णतः बंद रखा जायेगा। यह आदेश दिनांक - 31.12.2025 को पूर्वाह्न 6:00 बजे से 01 जनवरी 2026 को अपराह्न को पूर्णतः प्रभावी रहेगा। यह आदेश मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मोहर से दिनांक 17.12.2025 को जारी किया जाता है।

बिहार में पेट्रोल पंप और ढाबों पर बनेंगे इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन, ई-वाहनों को मिलेगा बढ़ावा: सम्राट चौधरी

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्य सचिव और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ आज बैठक की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य की परिवहन जरूरतों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ये कदम बहुत आवश्यक हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने ये बातें पटना में बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पेट्रोल पंपों, ढाबों, रेस्टोरेंट्स पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट लगाए जाएं। इससे न केवल इलेक्ट्रिक गाड़ियों के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि चार्जिंग स्टेशन स्थापित होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के भी अवसर पैदा होंगे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन पारंपरिक पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में कहीं अधिक किफायती हैं। इसका रखरखाव भी कम होता है। इसके साथ ही ये इलेक्ट्रिक वाहन पर्यावरण के अनुकूल हैं। इससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी और कार्बन उत्सर्जन घटेगा, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में मददगार साबित होगा।

नववर्ष में शराब बिक्री के लिए सक्रिय तस्करों को पुलिस ने दबोचा, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/नवादा

रजौली नए वर्ष के आगमन और पुराने वर्ष की विदाई के लिए जश्न की तैयारियां जोरो पर चल रही है। किंतु कुछ लोग उस जश्न में शराब को भी शामिल कर चार चांद लगाने की फिराक में हैं।वहीं उत्पाद बलों के द्वारा जश्न में शराब की पाबंदी लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।ताजा मामला शुक्रवार का है,बिहार-झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने दो लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवकों द्वारा जश्न की तैयारी में शराब ले जाने की बात बताई गई है।

उत्पाद विभाग द्वारा छापेमारी अभियान : इस संदर्भ में उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्दनिषेध को लेकर उत्पाद बलों के सहयोग क्षेत्र में लगातार छापेमारी की जा रही है।वहीं जांच चौकी पर भी उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता के नेतृत्व में झारखंड की

ओर से आनेवाली प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

बस से शराब ले जाते दो लोग गिरफ्तार : शुक्रवार को धनबाद से आ रही शिव गंगा बस संख्या बीआर 1 पीबी 6046 की जांच उत्पाद एएसआई दीपक कुमार शर्मा द्वारा किया गया।जांच के क्रम में बस पर सवार रहे दो लोगों के पास से रॉयल स्टेज के 38 बोतल शराब बरामद किया गया।उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब के साथ रहे लोगों में नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के गढ़पर देवकुली घाट निवासी प्रदीप कुमार के पुत्र रजनीश कुमार उर्फ मंटू कुमार एवं एक विधि निरुद्ध बालक शामिल हैं।

नए वर्ष की जश्न में बेची जानी थी शराब : गिरफ्तार लोगों द्वारा बताया गया कि वे नए साल के जश्न की तैयारी के लिए धनबाद से घर शराब लेकर जा रहे थे।वे घर के आसपास के लोगों को शराब बेचकर मुनाफा कमाते,किंतु उत्पाद बलों ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।उत्पाद अधीक्षक ने कहा कि जब्त शराब एवं गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।इस मौके पर उत्पाद एएसआई विश्वजीत कुमार सिंह के साथ गृहरक्षक जवान भी मौजूद रहे।

एक नजर

रामरूप प्लस टू उच्च विद्यालय सीआरसी में टीएलएम मेला का आयोजन

काराकाट । काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी के रामरूप प्लस टू उच्च विद्यालय सीआरसी में शुक्रवार को टीएलएम मेला का आयोजन प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार की देखरेख में संपन्न हुआ । जिस मेला में विद्यालय के 48 छात्र व छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । प्रथम पुरस्कार के रूप में चयनित उत्क्रमित मध्य विद्यालय करूप के आठवीं कक्षा की छात्रा अंजली कुमारी,द्वितीय पुरस्कार प्राथमिक विद्यालय जमुआ के कक्षा 5 की छात्रा डिंपल कुमारी एवं संगीता कुमारी तथा तृतीय पुरस्कार राजकीय मध्य विद्यालय गोड़ारी के कक्षा आठवीं के छात्र आयुष कुमार को विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार द्वारा पुरस्कृत किया गया । उक्त अवसर पर विद्यालय के वरीय शिक्षक अभिषेक कुमार पांडेय,एमएम खान,अशोक कुमार मिश्रा,विजय प्रसाद,जयप्रकाश,रविंद्र कुमार,एमडी सद्दाम हुसैन,सुधीर कुमार सहित कई लोग मौजूद थे । कार्यक्रम का संचालन नागेंद्र कुमार तिवारी ने किया ।

किसान से डेढ़ लाख रुपया छीनकर अपराधी फरार

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के जोन्ही सूर्यमंदिर के पास अपराधियों ने एक किसान से डेढ़ लाख रुपया छीनकर चंपत हो गए। इस संबंध में पीड़ित द्वारा बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जोन्ही टोला निवासी धनजी सिंह उम्र 45 वर्ष पिता स्व० सालिक सिंह द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि गुरुवार को 7.30 बजे शाम में वह काराकाट बाजार से धान बिक्री का डेढ लाख रु० (1,50000) रु० अपने परिवार यानि पत्नी के साथ अपने गाँव जोन्ही टोला (विश्म्मरपुर) जा रहा था। तभी रास्त में जोन्ही गाँव के बाद सूर्यमन्दिर से थोड़ी दूर पर कदम के पेड़ के पास धात लगाकर चार व्यक्ति बैठे थे। उसके पहुंचते हीं सभी निकल कर देशी कट्टा का भय दिखाकर रोक लिया। तीन व्यक्ति मुझे पकड़कर जो अपने साथ दोनाली बंदक लिए उसे बधार में लेकर चले गए तथा उससे से धान बिक्री का डेढलास रु० छीनने लगे। जब उसने उनलोगों का विरोध किया तो जोन्ही निवासी गौतम सिंह पिता स्व० अयोध्या सिंह, राहुल सिंह पिता त्रिवेणी सिंह, कलक्टरी टोला निवासी पालनाथ महतो उम्र-39 वर्ष पिता मुखराम सिंह, बहादुर सिंह उम-46 वर्ष पिता- मुखराम सिंह, गौतम सिंह दोनाली बन्दुक से उसके सर पर जोर से मार दिया जिससे उसका सर फट गया तथा काफी खून बहने लगा। जब मैं दौड़ कर भागा तो पालनाथ महतो एवं राहुल सिंह दोनों अपने हाथ में लिए रड से मारा तो वह वहीं खेत में गिर गया। उसकी पत्नी हो हल्ला करने लगी तो सभी फरार हो गए। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चौक-चौराहों पर अब तक नहीं जले अलाव, कूड़ा जलाकर तापने को मजबूर हुए मजदूर व राहगीर

नवादा। रजौली पछुआ हवा के झोंकों और घने कोहरे के दोहरे प्रहार ने रजौली और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शुक्रवार को स्थिति यह रही कि पूरे दिन आसमान में सूर्य के दर्शन नहीं हुए। घने कोहरे के कारण दृश्यता इतनी कम रही कि एनएच-20 नवादा-रांची मार्ग पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। कड़ाके की ठंड और कनकनी के चलते लोग घरों में दुबकने को मजबूर रहे।

बाजारों में पसरा सन्नाटा, सड़कों पर रही वीरानी : ठंड का असर व्यापार पर भी साफ देखा गया। सुबह 10 बजे तक अधिकांश दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकले, वे भी पूरी तरह से ऊनी कपड़ों में लिपटे नजर आए। एनएच-20 पर कोहरे की वजह से वाहन चालक दिन में भी हेडलाइट जलाकर रेंगते हुए आगे बढ़ते दिखे।

ठंड से ठिठुर रहे इंसान और जानवर, बच्चों की मौज-मस्ती जारी : तापमान गिरकर 9 से 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे न केवल इंसान बल्कि बेजुबान जानवर भी बुरी तरह ठिठुरते नजर आए। हाड़ कंपाने वाली इस ठंड के बीच छोटे बच्चों की मासूमियत भी देखने को मिली। परिजन जहां अपने बच्चों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें गर्म कपड़ों में लपेटने और घर के भीतर रखने की जद्दोजहद करते दिखे, वहीं बच्चे ठंड के भय से बेखौफ होकर खेलते और आनंद लेते नजर आए।

एनएच-20 पर कोहरे का प्रहार,रेंगते रहे वाहनः कोहरे का सबसे ज्यादा असर एनएच-20 पर देखने को मिला, जहां दृश्यता (विजिबिलिटी) बेहद कम होने के कारण आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। भारी वाहनों के साथ-साथ यात्री बसें भी हेडलाइट जलाकर रेंगती नजर आईं। कोहरे की घनी चादर की वजह से चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, जिससे सड़कों पर लंबी दूरी तय करने वाले मुसाफिर घंटों फंसे रहे। सड़क किनारे स्थित ढाबों और होटलों पर भी सन्नाटा रहा, जिससे परिवहन व्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ गई है।

सरकारी अलाव नदारद, कूड़े के ढेर का सहारा : एक तरफ प्रकृति का प्रकोप है, तो दूसरी तरफ प्रशासनिक उदासीनता ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नगर पंचायत और अंचल कार्यालय द्वारा अब तक चौक-चौराहों पर लकड़ी या अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। आलम यह है कि हाड़ कपाने वाली इस ठंड से बचने के लिए सड़कों पर काम करने वाले मजदूर और राहगीर सड़कों से कूड़ा-कचरा और लकड़ियां चुनकर उन्हें जलाने को मजबूर हैं।ठंड इतनी है कि हाथ-पैर सुन्न हो रहे हैं। प्रशासन को कम से कम प्रमुख मोड़ों पर लकड़ी गिरवानी चाहिए ताकि गरीब और मुसाफिर अपनी जान बचा सकें।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि दैनिक मजदूरों, ठेला चालकों और राहगीरों की सुविधा के लिए प्रमुख चौक-चौराहों पर तुरंत अलाव की व्यवस्था की जाए, ताकि इस जानलेवा ठंड से लोगों को सुरक्षा मिल सके।बब्लू पंडित, बिनोद सिंह ,मनोज चौधरी,रौशन कुमार आदि स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने प्रखंड प्रशासन व नगर पंचायत से अविलंब लकड़ी की व्यवस्था करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि, लोगों ने कहा है कि बजरंगबली चौक, बस स्टैंड और मुख्य बाजार समेत बाइपास में अलाव जलाए जाएं।

बिक्रमगंज में ठंढ व घने कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज सहित पूरे शहरी एवं ग्रामीण इलाका में कड़ाके की ठंड के साथ घना कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। बृहस्पतिवार की सुबह और देर रात के साथ साथ आज शुक्रवार को सुबह से हीं कोहरा इतना घना रहा कि सड़कों पर दृश्यता बेहद कम हो गई। इसका सीधा असर आम जनजीवन के साथ साथ यातायात पर भी देखने को मिला। बिक्रमगंज सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में चलने वाले वाहन धीमी गति से चलते नजर आए। मौसम के मिजाज में बदलाव के चलते बिक्रमगंज का तापमान गिरकर 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ठंड बढ़ने के कारण लोग अलाव का सहारा लेने को मजबूर हैं। चौक-चौराहों, बस स्टैंड और बाजार ,ग्रामीण क्षेत्रों में लोग आग तापते दिखे। खासकर बुजुर्गों और छोटे बच्चों को ठंड से अधिक परेशानी हो रही है। घने कोहरे की वजह से सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

यातायात प्रभावित, बीमारियों के बढ़ने की आशंका

घने कोहरे की वजह से सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों ने बताया कि कम दृश्यता के कारण वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। राष्ट्रीय और राज्य मार्गों पर वाहनों की रफ्तार सामान्य से काफी कम देखी जा रही है। खेतों में काम करना काफी कठिन साबित हो रहा है । किसान का कहना है कि कमाएंगे नहीं तो खायेंगे कैसे साल भर इसी पर निर्भर करता है। सैकड़ो लोगों ने कहा कि सरकार की ओर से इस साल कोई व्यवस्था नहीं किया जा रहा है।

बिजली चोरी मे ग्यारह लोगों पर प्राथमिकी, लगा 5.56 लाख जुर्माना

केटी न्यूज/रोहतास

विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज अंतर्गत विभिन्न प्रशाखाओ मे अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत एक दल का गठन पर ग्यारह लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। सम्बंधित कनीय विद्युत अभियंता ने बताया की मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार मे कटिंग कर एवं एक अतरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास करते हुए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर प्रखंड दिनारा के गोपालपुर निवासी शिवकुमार सिंह पर 89806, विनोद कुमार सिंह पर 49834, दया शंकर सिंह पर 31532, चितरंजन कुमार पर 61262, धनजी यादव पर 34306, बिछिआव के दीपक राम पर 11856 व भतपुरवा के गंगा सागर सिंह पर 4044 रुपये साथ हीं बसौरा निवासी अशोक सिंह पर 19977 एवं मथुरापुर के चन्द्रमा शर्मा पर 40704 जुमार्ना लगायी गयी है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरुद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। आगे बताया की विद्युत विभाग का बकाया राशि लंबित रहने पर लाइन काटने के उपरांत बिना बकाया राशि तथा पुनः विद्युत संयोजन (आरसी) शुल्क जमा किये अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर बिक्रमगंज के ढ़िबरा मोहल्ला निवासी अनिल कुमार पर 157223 रुपये तथा सूर्यपुरा प्रखंड के चौरासी निवासी जवाहिर साह पर बिना कोई विद्युत कनेक्शन लिए अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर 55576 रुपये दंडित राशि लगायी गयी है। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

राजगीर में शुरू हो रहा तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव, सीएम नीतीश करेंगे उद्घाटन

एजेंसी। पटना

बिहार पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन, नालंदा ने तीन दिवसीय राजगीर महोत्सव 2025 की तैयारियां पूरी कर ली हैं। यह महोत्सव 19, 20 और 21 दिसंबर को मुख्य रूप से आरआईसीसी और राजगीर हॉकी मैदान के निकट खाली भूखंड में आयोजित होगा। महोत्सव में तीन दिनों तक विश्व प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुति होगी। पहले दिन मशहूर पार्श्व गायक कैलाश खेर अपनी मधुर आवाज से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। दूसरे दिन बॉलीवुड सिंगर सलमान अली और तीसरे दिन गायिका भाव्या पंडित की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार सिन्हा, श्रवण कुमार,

अरुण शंकर प्रसाद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह की शुरूआत शंख ध्वनि और सर्वधर्म मंगलाचरण से होगी, जिसके बाद सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम आयोजित होगा। महोत्सव में केवल संगीत कार्यक्रम ही नहीं बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां भी आयोजित होंगी। ग्राम श्री मेला, पुस्तक मेला, व्यंजन मेला और कृषि मेला आयोजन के प्रमुख आकर्षण होंगे।

स्थानीय कलाकारों को मौका

प्रशासन ने पूर्ण तैयारियां कर ली हैं. जर्मन हैंगर का निर्माण किया गया है, जो एयर, वाटर और फायर प्रूफ है, ताकि दर्शकों को प्राकृतिक वादियों में आरामदायक अनुभव मिले. महोत्सव को सुचारू बनाने के लिए 32 समितियां गठित की गई हैं. इस बार की खासियत यह है कि बड़े कलाकारों के साथ स्थानीय प्रतिभाएं भी मंच साझा करेंगी. दिन में स्थानीय कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

महिला महोत्सव में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा दंगल और कई खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पर्यटन विभाग और नालंदा प्रशासन ने सुरक्षा और विधि व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मेला परिसर में साफ-सफाई, पेयजल और शौचालय की विशेष व्यवस्था की गई है। पीएचईडी द्वारा तीन स्थानों पर नल लगाए गए हैं और करीब 100 शौचालय बनाए गए हैं। समारोह स्थल पर सजावट, लाइटिंग, प्रचार-प्रसार, स्टॉल, तांगा एवं पालकी सज्जा की भी व्यवस्था की गई है। राजगीर महोत्सव का आयोजन न केवल सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करने में भी मदद करेगा। तीन दिनों के इस उत्सव से राजगीर पर्यटन स्थल और आसपास के इलाकों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एक नजर

पटना के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों का समय बदला, सीएम ने जारी किया आदेश

पटना में बढ़ते ठंड और शीतलहर को लेकर एक बार फिर से स्कूलों का समय बदल गया है। पटना के डीएम त्यागराजन एसएम ने नया आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन के आदेश के मुताबिक अब पटना के सभी स्कूल सुबह 10 बजे से 3:30 बजे तक संचालित किए जाएंगे। एपटना डीएम की कोर्ट की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण कम तापमान की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए पटना जिला के सभी निजी / सरकारी स्कूलों का संचालन सुबह 10 बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक किया जाएगा। जिलाधिकारी, पटना की कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि स्कूल प्रबंधन इस आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों को पुनर्निर्धारित करेंगे। प्री-बोर्ड/बोर्ड की परीक्षा हेतु संचालित किए जाने वाले विशेष कक्षाओं / परीक्षाओं का संचालन इससे मुक्त रहेगा।यह आदेश पटना जिले में दिनांक 20.12.2025 से लागू होगा एवं दिनांक 25.12.2025 तक प्रभावी रहेगा। बता दें कि बिहार में पिछले दो दिनों से ठंड और शीतलहर में इजाफा देखने को मिल रहा है। राजधानी पटना समेत राज्य के अन्य जिलों में तापमान तेजी से नीचे जा रहा है। ऐसे में स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव किया है।

स्कूल परिसर में छात्रों की जमकर मारपीट वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

मुंगेर। बिहार के मुंगेर जिले से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसे देख लोग भौंचक्का रह गए है। धरहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत धरहरा प्रखंड के भालार गांव से एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक स्कूल परिसर के भीतर कई छात्र आपस में जमकर मारपीट कर रहे हैं। कोई छात्र दूसरे को जमीन पर पटकता नजर आ रहा है तो कोई लात-घूंसे चलाते हुए दिख रहा है। इस दौरान आसपास मौजूद अन्य छात्र सहमे हुए नजर आते हैं, जबकि कुछ लोग बीच-बचाव करने की कोशिश भी करते दिखाई देते हैं। दरअसल, वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर पता चला है कि यह घटना धरहरा प्रखंड के भालार गांव स्थित एक हाई स्कूल की है। बताया जा रहा है कि छात्रों के बीच किसी बात को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में हिंसक झड़प में बदल गई। मारपीट की घटना के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए पढ़ाई का माहौल पूरी तरह प्रभावित हो गया।

बिहार में स्कॉर्पियो और स्कूल वैन की जोरदार टक्कर, हादसे में स्कूली बच्चे समेत तीन लोग घायल

सहरसा। बिहार के सहरसा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत ळङ्कस्त्र-2 के मधेपुरा मुख्य मार्ग बाइपास सड़क पर शुक्रवार की दोपहर बाद एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना मुख्य मार्ग स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सामने हुई। स्कूली बच्चों से भरी मैजिक वाहन और एक स्कॉर्पियो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कुल तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक स्कूली बच्चा और दो युवा शामिल हैं। स्कॉर्पियो मधेपुरा जिले की नशा मुक्त अभियान से जुड़ी बताई जा रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। स्कूल वैन घटनास्थल पर हीं पलट गया। घायल बच्चों में एन.एस. पब्लिक स्कूल के छात्र शामिल हैं। घायलों में एक बच्चे की पहचान आरुष (9 वर्ष), पिता मोनू ठाकुर के रूप में की गई है, जिसका हालत गंभीर बनी हुई है।

पटना में भूमि सुधार जनकल्याण कार्यशाला का आयोजन, मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कार्यप्रणाली सुधारने का दिया निर्देश

एजेंसी। पटना

पटना के ज्ञान भवन में आयोजित भूमि सुधार जनकल्याण कार्यशाला में उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभागीय कार्यप्रणाली में ठोस सुधार और समयबद्ध निष्पादन को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया। कार्यशाला के अंतिम सत्र में उन्होंने सभी अधिकारियों से हाथ उठवाकर यह आश्वासन लिया कि विभागीय कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएंगे। इसके बाद उपस्थित अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ ईमानदारी, पारदर्शिता और कानून के पालन की शपथ दिलाई गई। कार्यशाला के दौरान प्रधान सचिव सीके अनिल ने

दाखिलझ्रखारिज, परिमार्जन प्लस, ईझ्रमापी सहित विभागीय सेवाओं में आम नागरिकों को हो रही परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन संवीक्षा के नाम पर अनावश्यक रीवर्ट, बेवजह आपत्ति और अतिरिक्त दस्तावेज मांगने की प्रवृत्ति रैयतों को परेशान कर रही है। उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी दाखिलझ्रखारिज आवेदन लंबित न रहे और किसी भी स्थिति में 75 दिन की समय-सीमा का उल्लंघन न हो। बिना ठोस कारण के आवेदन अस्वीकृत करने पर सख्त कार्रवाई के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि परिमार्जन प्लस के मामलों में मामूली सुधार, लगान संशोधन, नाम अथवा कुल रकबा सुधार जैसे प्रकरणों का त्वरित निष्पादन कर रैयतझ्रहित में सकारात्मक संदेश देने की जरूरत है। सीके अनिल ने अनावश्यक मापी और लंबे समय तक आवेदन लंबित रखने को जनता में असंतोष का कारण बताया गया। ईझ्र मापी मामलों में भुगतान के बाद समय पर मापी तिथि निर्धारित नहीं होने पर चिंता जताते हुए अमीनों की उपलब्धता का बेहतर प्रबंधन कर समयबद्ध मापी सुनिश्चित करने को कहा गया। लॉकझ्रअनलॉक जमाबंदी मामलों में दी गई विभागीय सहूलियतों का समुचित उपयोग करने और अनावश्यक पत्राचार से बचने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने लैंड बैंक बनाने और सरकारी जमीन की गलत जमाबंदी के मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यशाला में विभाग के सचिव जय सिंह ने अभियान बसेरा 2 के तहत गृहविहीन परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और पंचायत स्तर पर उपलब्ध सरकारी भूमि के सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। तालाब, पोखर और रास्तों पर अतिक्रमण के मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही समाहर्ता, अपर समाहर्ता एवं भूमि सुधार उप समाहताओं को सप्ताह में कम से कम चार से पांच दिन नियमित कोर्ट संचालन का आदेश दिया गया, ताकि वादियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने एमआईएस के माध्यम से सतत निगरानी, साप्ताहिक समीक्षा और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विभाग सभी गतिविधियों की ऑनलाइन निगरानी कर रहा है और 31 दिसंबर तक कार्यप्रणाली में ठोस सुधार अपेक्षित है। नए वर्ष में नई ऊर्जा और नई सोच के साथ जनता का भरोसा जीतने का संकल्प उन्होंने दोहराया।

बिहार में साइबर ठगी का भंडाफोड़ : डिजिटल अरेस्ट से बनाए 7 करोड़ रुपये, 3 गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार के मोतिहारी पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। साइबर थाना पुलिस ने इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह निवेश और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर फ्रॉड करता आया है और अब तक लगभग 7 करोड़ रुपये ठग चुका है। दरअसल, मोतिहारी साइबर थाने के डीएसपी अभिनव परासर ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तकनीकी टीम ने पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी समेत कई स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में पूर्वी चंपारण जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र के काशी पकड़ी निवासी जितेंद्र कुमार, सीतामढ़ी के गाढ़ा प्रेमनगर निवासी अमल प्रकाश और पुनौरा थाना क्षेत्र के डुमरी गांव निवासी ओम प्रकाश को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से कई दस्तावेज और डिजिटल सबूत भी बरामद हुए। साइबर ठगी का यह मामला तब उजागर हुआ जब पुलिस को

पूर्वी चंपारण के मधुबन में दुलमा के रहने वाले भरत प्रसाद के बैंक खाते में संदिग्ध लेनदेन की सूचना मिली। पूछताछ में भरत ने बताया कि उसे एक बिजनेस लोन लेना था, लेकिन उसका सिबिल स्कोर ठीक नहीं था। आरोपियों ने भरत को यह भरोसा दिलाया कि वे उसके खाते में ट्रांजेक्शन करके उसका सिबिल स्कोर सुधार देंगे। इसके लिए भरत ने अपने खाते की जानकारी, एटीएम और 5 हजार रुपये आरोपियों को दे दिए। इसके बाद 27 से 30 मई के बीच शातिरों ने भरत के खाते में 1 करोड़ 49 लाख 50 हजार 162 रुपये ट्रांसफर कर निकाल लिए। यह रकम गिरोह ने साइबर ठगी और डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से अन्य पीड़ितों से भी वसूली थी। पुलिस का कहना है कि गिरोह ने नीति से लोगों को फंसाया और बड़ी ठगी की योजना बनाई थी। डीएसपी अभिनव परासर ने चेतावनी दी है कि लोग ऑनलाइन निवेश और डिजिटल लेनदेन में सतर्क रहें और किसी को भी अपने बैंक अकाउंट और व्यक्तिगत विवरण साझा न करें। पुलिस ने मामले में और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

बिहार परिवहन विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक, जनहित और राजस्व वृद्धि पर जोर

एजेंसी। पटना

परिवहन मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को पटना के अधिवेशन भवन सभागार में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभाग की विभिन्न योजनाओं, चल रहे कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने सभी योजनाओं एवं जनहित से जुड़े कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने का स्पष्ट निर्देश दिया। परिवहन विभाग मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और परिवहन विभाग इस प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग न केवल जनसुविधाओं से जुड़ा विभाग है, बल्कि एक प्रमुख राजस्व प्रदाता विभाग भी है। राजस्व में वृद्धि से विकास के अन्य क्षेत्रों में भी संसाधन उपलब्ध कराए जा सकते हैं। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को सामूहिक प्रयास के साथ कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि जनहित की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जा सके। परिवहन मंत्री ने वाहनों की फिटनेस जांच, एचएसआरपी नंबर प्लेट तथा वाहनों में जीपीएस प्रणाली की प्रगति की समीक्षा करते हुए इन कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन व्यवस्थाओं से न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि सड़क सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। श्रवण कुमारने बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) के बस अड्डों पर मूलभूत सुविधाओं की बहाली, साफ-सफाई एवं यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बस अड्डे यात्रियों के लिए विभाग की पहचान होते हैं, इसलिए इन्हें स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाया जाए। परिवहन मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन पथों पर वर्तमान में बसों का परिचालन नहीं हो रहा है, वहां पीपीपी मोड पर बस सेवाएं शुरू की जाएं। इसके साथ ही राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए विशेष बस सेवाएं प्रारंभ करने का भी निर्देश दिया गया, ताकि पर्यटकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सके।

देश का सबसे चौड़ा छह लेन पुल बिहार में तैयार मालवाहक जहाजों के लिए भी खुला मार्ग

एजेंसी। पटना

बिहार ने देश को कई योजनाओं में अपना मॉडल देने के बाद इस वर्ष पुल निर्माण के क्षेत्र में भी कीर्तिमान स्थापित किया है। पटना और बेगूसराय के बीच गंगा नदी पर बने औंटा-सिमरिया छह लेन पुल का उद्घाटन 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। यह पुल न केवल छह लेन का है, बल्कि देश का सबसे चौड़ा पुल भी है। आम तौर पर छह लेन पुल की चौड़ाई लगभग 29.5 मीटर होती है, लेकिन औंटा-सिमरिया पुल की चौड़ाई 34 मीटर है। यह पुल एक्सपेंशन केबल ब्रिज तकनीक पर आधारित है और इसे 18 पिलरों पर बनाया गया है। दोनों ओर 3-3 लेन की सड़क है। औंटा की ओर 100 मीटर चौड़ी रोटरी (जीरो माइल) और सिमरिया की ओर 80 मीटर चौड़ी रोटरी बनाई गई है, जिसे पार्क के रूप में विकसित किया गया है। इस पुल के बनने से न केवल यातायात सुगम हुआ है, बल्कि मालवाहक जहाजों का परिचालन भी इसके नीचे से आसानी से किया जा सकेगा। इस पुल के

निर्माण पर कुल 1871 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसका मुख्य लाभ यह है कि अब दक्षिण बिहार से उत्तर बिहार के जिलों–जैसे पटना, शेखपुरा, नवादा, लखीसराय आदि और बेगूसराय, सुपौल, मधुबनी, अररिया आदि–के बीच भारी वाहनों का आवागमन सुगम हो गया है। पुल बनने के कारण यात्रा दूरी लगभग 100 किमी तक कम हो गई है, जिससे समय और परिवहन लागत दोनों में कमी आई है। औंटा-सिमरिया पुल से सिमरिया धाम, जो प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्मस्थान भी है, बेहतर संपर्क से जुड़ गया है। अब उत्तर और दक्षिण बिहार के लोगों को आवश्यक सामान कम समय और कम खर्च में उपलब्ध हो रहा है। 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरा की जनसभा में बिहार के लिए घोषित सवा लाख करोड़ के विशेष पैकेज में औंटा-सिमरिया पुल की घोषणा की थी, और अब यह परियोजना पूर्ण होकर लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है। इस पुल के निर्माण से न केवल यातायात और माल ढुलाई में सुधार हुआ है, बल्कि यह बिहार की अवसंरचना और आर्थिक विकास के लिए भी मील का पत्थर साबित हो रहा है।

घने कोहरे से पूरा बिहार बेहाल, सुबह से शाम तक नहीं निकली धूप, यातायात भी प्रभावित

एजेंसी। पटना

पिछले कुछ दिनों से बिहार में ठंड का कहर जारी है। पूरे बिहार में शुक्रवार को घने कोहरे का व्यापक असर देखने को मिला। जहां लगभग सभी जिलों में सुबह से शाम तक लोगों को धूप नसीब नहीं हुआ। भगवान सूर्य ने आज दर्शन तक नहीं दिया। जिससे धूप नहीं निकलने के चलते जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया। पटना में बढ़ते ठंड और शीतलहर को लेकर एक बार फिर से स्कूलों का समय बदल गया है। पटना के डीएम त्यागराजन एसएम ने नया आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन के आदेश के मुताबिक अब पटना के सभी स्कूल सुबह 10 बजे से 3:30 बजे तक संचालित किए जाएंगे। पटना

के साथ-साथ गयाजी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, मुंगेर, छपरा और पूर्णिया में कोहरा छाया रहा। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी लोगों को कड़ाके की ठंड और कनकनी का सामना करना पड़ रहा है। अचानक बढ़ी ठंड और शीतलहर से लोग परेशान हैं। ठंड से बचने के लिए लोग अलाव जला रहे हैं और गर्म कपड़े पहन रहे हैं। कोहरे के चले दृश्यता बेहद कम हो गई है, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वाहन चालकों को गाड़ियों को चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इसका असर ट्रेन और हवाई यात्रा पर भी पड़ रहा है। दिल्ली समेत अन्य शहरों से बिहार आने वाली कई ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं, वही कुहासे के कारण विलंब से फ्लाइट चलने और कैंसिल होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पटना में अचानक बढ़ी ठंड को लेकर मौसम विभाग ने कहा है कि 23 दिसंबर तक बिहार में घने कोहरे का प्रभाव बने रहने की संभावना है। पटना, समस्तीपुर, नालंदा, बेगूसराय, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, पूर्णिया, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, आरा, बक्सर, औरंगाबाद समेत कुल 33 जिलों में घने कोहरे को लेकर भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यह चेतावनी दी है कि सुबह और रात के समय दृश्यता और अधिक कम हो सकती है। यदि ऐसा रहा तो रेल, सड़क और हवाई यात्रा प्रभावित हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि ठंड में और बढ़ोतरी होगी और धूप नहीं निकलने से दिन के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। पिछले 24 घंटों के दौरान बिहार का मौसम शुष्क रहा लेकिन धूप नहीं निकलने के कारण तापमान में तेज गिरावट आई है। पटना में अधिकतम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। औरंगाबाद और गया में अधिकतम तापमान में लगभग 7 डिग्री, नालंदा में 6 डिग्री और वैशाली में 6.2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। पटना में बढ़ते ठंड और शीतलहर को लेकर एक बार फिर से स्कूलों का समय बदल गया है। पटना के डीएम त्यागराजन एसएम ने नया आदेश जारी किया है। जिला प्रशासन के आदेश के मुताबिक अब पटना के सभी स्कूल सुबह 10 बजे से 3:30 बजे तक संचालित किए जाएंगे। पटना डीएम की कोर्ट की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि जिले में पड़ रही अत्यधिक ठंड के कारण कम तापमान की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।

बिहार में निगरानी विभाग का बड़ा एक्शन, 4 हजार रिश्वत लेते बाल विकास परियोजना की सुपरवाइजर गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने एक और बड़ा एक्शन लिया है। मुजफ्फरपुर में डाटा एंट्री ऑपरेटर को गिरफ्तार करने के बाद निगरानी की टीम ने मोतिहारी में बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी की टीम ने बाल विकास परियोजना की सुपरवाइजर को 4 हजार रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। दरअसल, मोतिहारी के केसरिया में तैनात बाल विकास परियोजना की एलएस अंबालिका कुमारी के खिलाफ निगरानी विभाग को भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी ने पहले आरोप की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद निगरानी की टीम केसरिया पहुंची और सुपरवाइजर को गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही घूसखोर महिला सुपरवाइजर रिश्वत के पैसे ले रही थी, निगरानी की टीम ने धावा बोल दिया और उसे पैसों के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने के बाद निगरानी की टीम सुपरवाइजर को अपने साथ ले गई। बताया जा रहा है कि आरोपी सुपरवाइजर ने 15 हजार की डिमांड की थी लेकिन चार हजार रुपए पर डील फाइनल हुई थी। निगरानी की टीम आरोपी सुपरवाइजर से पूछताछ करने के बाद उसे निगरानी की स्पेशल कोर्ट में पेश करेगी।